श्रुत आराधक भाग 3 – नमूना प्रश्नोत्तर (I)

गुणस्थान स्वरूप

I – सही विकल्प का चयन कीजिए –

1. किसके ज्ञान, दर्शन, चारित्र आदि गुणों की शुद्धि–अशुद्धि और उत्कर्ष–अपकर्ष की अवस्था विशेष को गुणस्थान (गुण) कहते हैं ?

(A) सभी आत्मा (B) सिद्ध आत्मा
(C) संसारी आत्मा (D) इनमें से कोई नहीं

2. गुण. स्वरूप के 28 द्वारों में से दूसरा द्वार कौन–सा है ?

(A) स्थिति (B) जीव (C) नाम (D) लक्षण

3. कर्म रूपी डंडे से आत्मा रूपी गेंद का 4 गतियों, 84 लाख जीव योनियों में परिभ्रमण कर दु:ख भोगना किस गुण. का फल स्वरूप बताया है ?

(A) पहला (B) दूसरा
(C) तीसरा (D) चौथा

4. पहले गुण. का नाम क्या है ?

(A) मिथ्यात्व (B) मिथ्यात्वी
(C) मिथ्यादृष्टि (D) इनमें से कोई नहीं

5. सम्यग् मिथ्यात्व गुण. चौदह गुण. में से कौन सा गुण. है ?

(A) दूसरा (B) तीसरा
(C) चौथा (D) इनमें से कोई नहीं

II – सही व गलत –

6) तीसरे गुण. वाले जीवों को तत्वों पर न रूचि होती है, न अरूचि होती है ?

8) जो क्षयोपशमिक सम्यक्त्वी जीव मिथ्यात्व की ओर झुक रहा है किन्तु अभी मिथ्यात्व को प्राप्त नहीं किया है उसकी इस अवस्था को सास्वादन् गुण. कहते हैं ?

9) श्रीमत् समवायांग सूत्र में जीवस्थान के चौदह प्रकार बतलाये हैं ?

III – सही क्रम बताईए –

9) नाम द्वार की अपेक्षा

(A) अनिवृत्ति–बादर गुण. (B) उपशांत मोहनीय गुण.
(C) निवृत्ति–बादर गुण. (D) सूक्ष्म संपराय गुण.

10) द्वारों की अपेक्षा

(A) लेश्या (B) आत्मा
(C) योग (D) भाव

सही उत्तर

1) C, 2) D, 3) A, 4) C, 5) D, 6) सही, 7) गलत, 8) सही, 9) C A D B, 10 D B C A

5 AUG 17

श्रुत आराधक भाग 3 – नमूना प्रश्नोत्तर (I)

प्रश्न-I सही संख्या का चयन कीजिए-

1. कितने प्रकृतियों का क्षयोपशम आदि करने पर जीव की अवस्था को अविरत सम्यग्दृष्टि गुणस्थान कहते है ?

(A) 4 (B) 5 (C) 6 (D) 7

2. क्षयोपशम सम्यक्त्व में सात प्रकृतियों में से कितने प्रकृतियों का विपाकोदय नहीं होता है ?

(A) 3 (B) 4 (C) 5 (D) 6

3. चौथे गुणस्थान में प्रमुखता कितने प्रकार का सम्यक्त्व होता है ?

(A) 2 (B) 3 (C) 4 (D) इनमें से कोई नहीं

4. अगर कोई श्रावक श्रद्धा पूर्वक नवकारसी भी करता हो तो वह किस गुणस्थान वाला कहलाएगा ?

(A) चौथा (B) पाँचवाँ

(C) दोनों - A, B (D) इनमें से कोई नहीं

5. उपशम सम्यक्त्व में सात प्रकृत्तियों में से अधिकत्म कितने प्रकृतियों का उपशम हो सकता है ?

(A) 4 (B) 6 (C) 7 (D) इनमें से कोई नहीं

6. किस कषाय के क्षयोपशम से जीव पापजनक व्यापारों से सर्वथा निवृत्त होकर 'संयत' कहलाते है ?

(A) अनंतानुबंधी (B) अप्रत्याख्यानावरण

(C) प्रत्याख्यानावरण (D) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न-II सही विकल्प चुनिए -

7. जिनका उदय तात्विक रुचि का निमित होकर भी औपशमिक या क्षायिक भाववाली तत्व रुचि का प्रतिबन्ध करता है उसे क्या कहते है ?

(A) सम्यक्त्व मोहनीय (B) मिथ्यात्व मोहनीय

(C) दोनों - A & B (D) इनमें से कोई नहीं

8. क्षयोपशम सम्यक्त्व में किसके विपाकोदय अर्थात् फल की अनुभूति कराने वाले उदय की नियमा होती है ?

(A) मिथ्यात्व मोहनीय (B) सम्यग्मिथ्यात्व मोहनीय

(C) सम्यक्त्व मोहनीय (D) इनमें से कोई नहीं

9. नारिकेल द्वीप के मनुष्यों का दृष्टांत किस गुणस्थान के लिए बताया है ?

(A) पहला (B) दूसरा

(C) तीसरा (D) इनमें से कोई नहीं

10. किसके उदय से जीव पहले गुणस्थान में रहते है ?

(A) सम्यक्त्व मोहनीय (B) मिथ्यात्व मोहनीय

(C) सम्यग्मिथ्यात्व मोहनीय (D) तीनों-A, B & C

सही उत्तर				
1. D	2. D	3. B	4. B	5. C
6. C	7. A	8. C	9. C	10. B

श्रुत आराधक भाग 3 – नमूना प्रश्नोत्तर (3)

विषय–गुणस्थान स्वरूप

प्रश्न–I सही विकल्प चुनिए –

1. 14वें गुणस्थान में जो मध्यम रीति से उच्चारण के 5 लघु अक्षर बताए हैं, वे कौन–कौन से हैं ?

(A) अ, इ, ए, ऋ, लृ (B) अ, ई, उ, ऋ, लृ

(C) अ, इ, उ, ऋ, लृ (D) अ, इ, ऊ, ऋ, लृ

2. सयोगिकेवलि गुणस्थान में कितने घातिकर्मों का क्षय किया जाता है ?

(A) 0 (B) 2 (C) 3 (D) 4

3. अप्रमत्त संयत गुणस्थान में किसका मंद उदय रहता है ?

(A) संज्वलन कषाय और प्रत्याख्यानावरण कषाय

(B) अप्रत्याख्यानावरण कषाय

(C) संज्वलन कषाय और नोकषाय

(D) इनमें से कोई नहीं

4. किस गुणस्थान के लिए यह उदाहरण दिया गया है– 'धुले हुए गुलाबी रंग के कपड़े में लालिमा सूक्ष्म–झीनी–सी रह जाती है' ?

(A) 11 (B) 10 (C) 9 (D) 8

5. पहले गुणस्थान के कुल कितने भंग भवी जीव के लिए बताया गया है ? (स्थिति द्वार)

(A) 0 (B) 3 (C) 1 (D) 2

प्रश्न–II सही या गलत –

6. 12वें गुणस्थान वाले सभी जीवों की स्थिति तुल्य होती है ?

7. प्रमत्त संयत गुणस्थान में आरम्भिकी क्रिया नहीं पायी जाती है ?

8. 6 से 11 गुणस्थान जीवों में नियमा आठों ही कर्मों की सत्ता है ?

9. केवलज्ञान होने के बाद कर्मों का बन्ध हो सकता है ?

10. वीतराग अवस्था में मायाप्रत्यया क्रिया लग सकती है ?

सही उत्तर

1. C 2. A 3. C 4. B 5. D
6. **सही** 7. **गलत** 8. **सही** 9. **सही** 10. **गलत**

श्रुत आराधक भाग 3
नमूना प्रश्नोत्तर (4)

प्रश्न-I सही संख्या का चयन कीजिए-

1. तीसरे गुणस्थान में कितने कर्मों की उदीरणा होती है ?

(A) 7 या 6 कर्मों की (B) 8 कर्मों की

(C) 8 या 7 कर्मों की (D) इनमें से कोई नहीं

2. बारहवें गुणस्थान में कितने कर्मों की निर्जरा होती है ?

(A) 4 (B) 6 (C) 7 (D) 8

3. कर्म बन्ध के कितने कारण होते है ?

(कारण द्वार की अपेक्षा)

(A) 5 (B) 4 (C) 3 (D) 8

4. सिद्ध भगवान में 5 भावों में से कितने भाव पाए जाते है ?

(A) 1 (B) 3

(C) 5 (D) इनमें से कोई नहीं

5. बाईस परिषहों में से अधिकतम् एक समय में कितने परिषह एक जीव को हो सकते है ?

(A) 20 (B) 21

(C) 22 (D) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न-II असंगत हटाइए -

परिषह द्वार की अपेक्षा

6. (A) शीत (B) दंशमशक

(C) स्त्री (D) रोग

7. (A) अरति (B) निषद्या

(C) याचना (D) अलाभ

बन्ध की अपेक्षा

8. (A) आठवां गुणस्थान (B) नौवां गुणस्थान

(C) तीसरा गुणस्थान (D) सातवां गुणस्थान

उत्कृष्ट स्थिति की अपेक्षा

9. (A) पाँचवा गुणस्थान (B) सातवां गुणस्थान

(C) छठा गुणस्थान (D) तेरहवां गुणस्थान

जघन्य स्थिति की अपेक्षा

10. (A) चौथा गुणस्थान (B) छठा गुणस्थान

(C) दसवाँ गुणस्थान (D) ग्यारहवां गुणस्थान

सही उत्तर

1. C	2. C	3. A	4. D	5. A
6. C	7. D	8. D	9. B	10. A

श्रुत आराधक भाग–3– नमूना प्रश्नोत्तर (5)

I. सही जोड़ी मिलाईए–

1. आठवां परीषह	(A) स्त्री
2. सोलहवां परीषह	(B) जल्ल
3. बाइसवां परीषह	(C) रोग
	(D) दर्शन

II. असंगत हटाइए–

4. (A) कषाय (B) योग
   (C) लेश्या (D) अव्रत
5. (A) ज्ञान आत्मा (B) कषाय आत्मा
   (C) चारित्र आत्मा (D) संयत आत्मा

III. सही या गलत –

6. सातवें गुणस्थान में शुक्ल लेश्या पायी जा सकती है ?
7. पांचवा गुणस्थान सन्नी पंचेन्द्रिय के अपर्याप्त और पर्याप्त में पाया जाता है ?
8. गत्यन्तर जाते मार्ग में पहला, तीसरा व चौथा गुणस्थान पाया जाता है ?
9. चौथा गुणस्थान शाशवत व अनाहारक दोनों हो सकता है ?
10. केवली भगवान के अधिक्तम् 9 परीषह हो सकते है ?

:: सही उत्तर लिखे ::

1) A 2) C 3) D 4) C 5) D
6) सही 7) गलत 8) गलत 9) सही 10) सही

श्रुत आराधक भाग – 3 नमूना प्रश्नोत्तर – (6)

नवाचार्य जीवन (पृष्ठ 98–121)

I. **सही विकल्प चुनिए**

1. आचार्य हुक्मीचन्दजी म.सा. का जन्म कहाँ हुआ था ?
   (A) जोधपुर (B) बीकानेर
   (C) धामनिया (D) इनमें से कोई नहीं
2. किस आचार्य ने 33 वर्षों तक निरंतर एकान्तर तप की आराधना की ?
   (A) आ. हुक्मीचन्दजी (B) आ. शिवलालजी
   (C) आ. उदयसागरजी (D) इनमें से कोई नहीं
3. आचार्य उदयसागरजी म.सा. का जन्म किस पूर्णिमा को हुआ था ?
   (A) आसोज सुदी (B) कार्तिक सुदी
   (C) चैत्र सुदी (D) इनमें से कोई नहीं
4. किसके आचार्य काल में आर्या रंगूजी म.सा. की दीक्षा हुई थी ?
   (A) आ. हुक्मीचन्दजी (B) आ. शिवलालजी
   (C) आ. उदयसागरजी (D) इनमें से कोई नहीं
5. किस आचार्य की दीक्षा विक्रम संवत् 1898 में किसी देशी सम्प्रदाय में हुई और पुनः संवत् 1908 में पूज्य श्री हुक्मीचन्द जी म.सा. के चरणों में हुई ?
   (A) आ. शिवलालजी (B) आ. उदयसागरजी
   (C) दोनों A&B (D) इनमें से कोई नहीं

II. **सही जोड़ी मिलाइए–**

आचार्य	देवलोकगमन वर्ष
6. हुक्मीचन्दजी म.सा.	(A) वि.सं. 1933
7. शिवलालजी म.सा.	(B) वि.सं. 1943
8. उदयसागरजी म.सा.	(C) वि.सं. 1917
	(D) वि.सं. 1919
	(E) वि.सं. 1954

गृहस्थ धर्म– भाग– 1 (पृष्ठ 11–36)

III. **सही या गलत**

9. जब मिथ्यात्व नहीं रह जाता तभी 'दर्शन' की आराधना होती है ?
10. बन्ध का जो कारण है, उसे जैन शास्त्र में 'मिथ्यात्व' कहते है ?
11. श्रमणोपासक बनने के लिए सर्वप्रथम मिथ्यात्व का परित्याग करना और सम्यक्त्व को धारण करना आवश्यक है ?
12. श्रावक धर्म का पालन करने से लौकिक और लोकोत्तर दोनों प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है ?

IV. **असंगत हटाईए–**

13. (सम्यक्त्व के 3 भेद संबंधित)
   (A) वेदक गुण से प्राप्त होने वाला सम्यक्त्व
   (B) क्षयोपशम गुण से प्राप्त होने वाला सम्यक्त्व
   (C) उपशम गुण से प्राप्त होने वाला सम्यक्त्व
   (D) क्षायिक गुण से प्राप्त होने वाला सम्यक्त्व
14. (श्रमण का अर्थ संबंधित)
   (A) श्रम (B) समन
   (C) श्रवण (D) शमन
15. (रत्नत्रय संबंधित)
   (A) सम्यग्दर्शन (B) सम्यगतप
   (C) सम्यग्ज्ञान (D) सम्यग्चारित्र

:: सही उत्तर ::

1. (D) 2. (B) 3. (A) 4. (A) 5. (B)
6. (C) 7. (A) 8. (E) 9. सही 10. गलत
11. सही 12. सही 13. (A) 14. (C) 15. (B)

श्रुत आराधक भाग - 3 नमूना प्रश्नोत्तर (7)

गृहस्थ धर्म भाग -1 (पृष्ठ 24-52)

I. **सही या गलत लिखिए -**

1. कामदेव श्रावक देव के द्वारा दिए हुए कष्टों से एक बार समकित से विचलित हुए ?
2. पात्र-अपात्र का विचार तो धर्म बुद्धि से दान देते समय नहीं किया जाता है ?
3. न जानने का नाम मिथ्यात्व है ?
4. साधु-साध्वियों को वन्दन-नमस्कार की बिलकुल भी चाह नहीं होनी चाहिए ?

II. **असंगत हटाइए-**

5. (A) गणाभियोग (B) कुलाभियोग (C) गुरुनिग्रह (D) वृत्तिकान्तर
6. (A) अनुकम्पा (B) निर्वेद (C) दान (D) संवेग
7. (A) द्रव्यतीर्थ (B) क्षेत्रतीर्थ (C) कालतीर्थ (D) भवतीर्थ

नवाचार्य जीवन (1-4 आचार्य)

III. **सही विकल्प चुनिए -**

8. किस आचार्य ने सभी मुनियों को 5 गणों में रखकर 5 गणावच्छेदक नियुक्त कर दिए थे ?

(A) आ. हुक्मीचन्दजी (B) आ. शिवलालजी (C) आ. उदयसागरजी (D) आ. चौथमलजी

9. किस आचार्य ने साधु समुदाय की संयम विशुद्धि को लक्ष्य में रखते हुए 72 कलमों की समाचारी का निर्धारण किया था ?

(A) आ. हुक्मीचन्दजी (B) आ. शिवलालजी (C) आ. उदयसागरजी (D) आ. चौथमलजी

10. सबसे कम आचार्यकाल किस आचार्य का था ?

(A) आ. हुक्मीचन्दजी (B) आ. शिवलालजी (C) आ. उदयसागरजी (D) आ. चौथमलजी

11. किस आचार्य को संवत् 1925 पौष शुक्ल सप्तमी को युवाचार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई ?

(A) आ. हुक्मीचन्दजी (B) आ. शिवलालजी (C) आ. उदयसागरजी (D) आ. चौथमलजी

IV. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -**

	जन्म (संवत्)	-	आचार्य	-	तिथि
12.	वि.सं. 1885	-	----------	-	----------
13.	----------	-	आ. शिवलालजी	-	----------
14.	----------	-	----------	-	शरद पूर्णिमा
15.	----------	-	आ. हुक्मीचन्दजी	-	----------

सही उत्तर : 1. गलत, 2. गलत, 3. गलत, 4. सही, 5. (B), 6. (C) 7. (A), 8. (D), 9. (B), 10. (D), 11. (C), 12. आ. चौथमल जी, वैशाख शुक्ला चतुर्थी, 13. वि.सं. 1867, पौष शुक्ला दशमी, 14. वि. सं. 1876, आ. उदयसागरजी, 15. वि.सं. 1860, पौष शुक्ला नवमी।

श्रुत आराधक भाग - 3 नमूना प्रश्नोत्तर (8)

नवाचार्य जीवन (3-6 आचार्य)

I. **मुझे पहचानिए -**

1. श्रीमान् चुन्नीलालजी बम्ब की धर्मपरायण धर्मपत्नी चाँदकंवर बाई की रत्नकुक्षि से संवत् 1926 आषाढ़ शुक्ला द्वादशी को मेरा जन्म हुआ था।
2. संवत् 1876 में जोधपुर शहर के खींवेसरा परिवार में मेरा जन्म हुआ था।
3. 2 वर्ष की वय में मेरी माँ, 5 वर्ष की वर्ष में मेरे पिता एवं 13 वर्ष की वय में मेरे मामाजी की मृत्यु को गई थी।
4. मैं बचपन से ही एकांत प्रेमी था ? खेलकूद में ज्यादा रुचि नहीं थी ? चिन्तन-मनन में बहुत रुचि थी।
5. संवत् 1948 मार्गशीर्ष शुक्ला द्वितीया को लीमड़ी में मेरी दीक्षा हुई थी।

II. **सही विकल्प चुनिए -**

6. 31 वर्ष की अल्पवय में किसको युवाचार्य का भार सौंपा गया था ?

(A) आ. उदयसागरजी (B) आ. श्रीलालजी (C) आ. जवाहरलालजी (D) इनमें से कोई नहीं

7. महात्मा गाँधी, लोकमान्य तिलक, सरदार पटेल आदि अनेक गणमान्य किस आचार्य के विचारों से लाभान्वित हुए थे ?

(A) आ. श्रीलालजी (B) आ. चौथमलजी (C) आ. जवाहरलालजी (D) इनमें से कोई नहीं

8. संवत् 1990 के अजमेर सम्मेलन में कौन से आचार्य पूरे सम्प्रदाय का सम्पूर्ण प्रतिनिधित्व लेकर पधारे थे ?

(A) आ. जवाहरलालजी (B) आ. श्रीलालजी (C) आ. चौथमलजी (D) इनमें से कोई नहीं

गृहस्थ धर्म भाग-1 (सम्यक्त्व के अतिचार)

III. **असंगत हटाइए -**

9. (A) संशय मिथ्यात्व (B) असंदिग्ध मिथ्यात्व (C) आभिग्रहिक मिथ्यात्व (D) अनाभिग्रहिक मिथ्यात्व
10. (A) अज्ञान (B) क्रीड़ा (C) प्रेम (D) वेद
11. (A) आस्तिक्य (B) शंका (C) विचिकित्सा (D) परपाखण्ड - संस्तव

IV. **सही या गलत -**

12. 'क्या पता है कि नरक, देवलोक का अस्तित्व है या नहीं ?' यह कांक्षा नामक अतिचार है ?
13. 'क्या अहिंसा आदि महाव्रतों के पालन करने में कोई फायदा है ?' यह विचिकित्सा नामक अतिचार है ?
14. श्रावक को इस लोक और परलोक संबंधी दोनों की इच्छा नहीं करनी चाहिए ?
15. परपाखण्ड के शास्त्र में 365 भेद बतलाए हैं ?

सही उत्तर : 1. आ. श्रीलालजी, 2. आ. उदयसागरजी, 3. आ. जवाहरलालजी, 4. आ. श्रीलालजी, 5. आ. जवाहरलालजी, 6. (B), 7. (C), 8. (A), 9. (B), 10. (D), 11. (A), 12. गलत, 13. सही, 14. सही, 15. गलत

श्रुत आराधक भाग - 3 नमूना प्रश्नोत्तर (9)

(उत्तराध्ययन सूत्र अध्ययन- 1)

I. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

1. आलवंते लवंते वा, ... ।
   ...., जओ जत्तं पडिस्सुणे ।।
2. न पक्खओ न पुरओ, ... ।
   ...., पावगं परिवज्जए ।।
3. मा गलियस्से व कसं, ... ।
   ...., पावगं परिवज्जए ।।

II. मैं कौन-सा चरण हूँ

(4) इच्छंतो हिय-मप्पणो (5) विणयं पाउकरिस्सामि

(6) मुहरी निक्कसिज्जइ (7) पडिणीयं च बुद्धाणं

गुणस्थान स्वरूप

III. सही विकल्प चुनिए -

8. दूसरें गुणस्थान में जीव के कितने भेद पाए जाते है ?
   (A) 2 (B) 6 (C) 8 (D) 14
9. कार्मण काययोग किस गुणस्थान में नहीं होता है ?
   (A) दूसरा (B) चौथा (C) तेरहवां (D) चौदवां
10. पाँचवे गुणस्थान में कितने हेतु माने गए है ?
   (A) 40 (B) 43 (C) 46 (D) 50
11. तीसरे गुणस्थान में आगति मार्गणा कितनी हो सकती है ?
   (A) 1 (B) 4 (C) 5 (D) 6

IV. गृहस्थ धर्म - सही या गलत लिखिए-

12. वृत्तिकान्तार का अर्थ है आजीविका के विभिन्न साधन ?
13. भगवान ने जो बात अपने ज्ञान में देखी है वही बात कही है और यह बात उन्होंने पूछने पर ही कही हैं ?
14. अभिलाषा को कांक्षा कहते है ?
15. सकांक्ष और निष्कांक्ष पुण्य के दो प्रकार है ?

सही उत्तर : 1. न निसीएज्ज कयाइ वि, चइऊण-मासणं धीरो, 2. णेव किच्चाण पिट्ठओ, न जुंजे ऊरूणा 3. वयणमिच्छे पुणो पुणो, कसं व दट्ठु-माइन्ने, 4. चौथा, 5. तीसरा, 6. चौथा, 7. पहला, 8. (B), 9. (D), 10. (A), 11. (B), 12. गलत, 13. गलत, 14. सही, 15. सही

श्रुत आराधक भाग 3 (नमूना प्रश्नोत्तर –10)

गृहस्थ धर्म भाग-1 (पृष्ठ 96-114)

I. सही विकल्प चुनिए-

1. अणुव्रत और महाव्रत परस्पर क्या है ?

(A) निरपेक्ष (B) सापेक्ष (C) दोनों A और B (D) इनमें से कोई नहीं

2. जो अल्पारम्भ-महारम्भ का प्रश्न है, वह उन्हीं के लिए हो सकता है, जो .... है ?

(A) सम्यक्त्वी (B) व्रती (C) दोनों A और B (D) इनमें से कोई नहीं

II. सही या गलत –

3. श्रावक के दो करण, 3 योग में शिष्टाचार रह जाता है ?

4. महाशतक श्रावक के कुल बारह पत्नियाँ थी ?

उत्तराध्ययन सूत्र (अध्ययन – 2)

III. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

5. तणफास-परीसहे .... पन्ना-परीसहे ।

6. छिन्ना-वाएसु पंथेसु, ... ।
........................., तं तितिक्खे परीसहं ।

7. इहं खलु बावीसं .... पवेइया

नवाचार्य जीवन (आचार्य 8, 9)

IV. एक या दो शब्द में उत्तर दीजिए-

8. किस शहर में पहली बार आ. नानालालजी म.सा ने आ. गणेशलालजी म.सा. के दर्शन किये थे ?

9. आ. नानालालजी म.सा. का बचपन में क्या नाम रखा गया था ?

10. आ. रामलालजी म.सा. का जन्म किस संवत् और किस तिथि को हुआ था ?

सही उत्तर : 1. (B), 2. (C), 3. सही, 4. गलत, 5.जल्ल-परीसहे सक्कार-पुरस्कार-परीसहे, 6. आउरे सुपिवासिए, परिसुक्कमुहादीणे, 7. परीसहा समणेणं भगवया महावीरेणं कासवेणं, 8. कोटा, 9. गोवर्धन, 10. संवत् 2009, चैत्र शुक्ला चतुर्दशी

श्रुत आराधक – ओपन बुक 1 के सही उत्तर (भाग-3)

1. नासन्ने नाइदूरओ, फासुयं परकडं पिंडं, 2. खिप्पं हवइ सुचोइए, जहोवइट्ठं, सुकयं, 3. संजमेण तवेण य, मा हं परेहिं दम्मंतो, 4. न य ओहारिणिं वए, भासादोसं परिहरे, 5. **वायाए** (गलत), 6. **मणोरुई** (गलत), 7. **मम्मयं न निरट्ठं** (गलत), 8. **महापहे** (गलत), 9. सही, 10. दूसरा, 11. तीसरा, 12. चौथा, 13. पहला, 14. B, 15. E, 16. (G), 17. (F), 18. (A), 19. **3,1,** 20. **4, 6,** 21. **4, 2,** 22. **2, 3,** 23. **1, 1,** 24. (A), 25. (C), 26. (D), 27. (B), 28. (D), 29. सही, 30. गलत, 31. सही, 32. गलत, 33. सही, 34. आ. जवाहरलालजी म.सा., 35. आ. जवाहरलाल जी म.सा., 36. आ. श्रीलालजी म.सा., 37. आ. गणेशलालजी म.सा., 38. आ. गणेशलाल जी म.सा., 39. आ. शिवलालजी म.सा., 40. आ. हुक्मीचन्दजी म.सा., 41. आ. उदयसागरजी म.सा., 42. (C), 43. (A), 44. (A), 45.(B), 46. सही, 47. सही, 48. गलत, 49. सही, 50. गलत